प्रो. आनंद वर्धन शर्मा बने प्रतिकुलपति

वर्धा 24 अप्रैल 2016: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति के रूप में प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक रहे प्रो. शर्मा को शैक्षणिक तथा प्रशासनिक कार्यों का 25 से अधिक वर्षों का अनुभव है। उन्होंने 'निराला के छायावादोत्तर काव्य में प्रगतिशिलता का स्वरूप' विषय पर पीएच.डी. की है। वे केंद्रीय तथा राज्य विश्वविद्यालयों के अकादमिक सलाहकार समिति तथा अकादमिक परिषद के सदस्य रहे हैं। उनकी सात पुस्तकें प्रकाशित हैं तथा 20 से अधिक शोध निबंध प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं तथा उनकी छह रचनाएं प्रकाशनाधिन है। एक कवि और साहित्यिक के रूप में उन्होंने विपूल लेखन किया है। उनकी 70 से अधिक कविताएं उत्कृष्ट पत्रिकाओं में प्रकाशित हुईं है। उन्होंने बुलगारिया में सोफिया विश्वविद्यालय के इंडोलॉजी विभाग में अतिथि असोसिएट प्रोफेसर के रूप में तीन साल तक पढ़ाया है। उन्होंने महत्वपूर्ण पत्रिकाओं का संपादन किया है। उन्होंने विभिन्न विषयों पर दूरदर्शन

तथा अन्य फिल्म कंपनियों के लिए लघुफिल्मों का संहिता लेखन किया है और टीवी सेंटर भोपाल पर प्रसारित चर्चाओं का संचालन एवं संयोजन किया है। विवि में शुक्रवार को पदभार ग्रहण करने पर अपनी प्राथमिकताओं को लेकर उन्होंने अकादमिक तथा प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठकें की। उन्होंने कहा कि विवि की अंतरराष्ट्रीयता को ध्यान में रखते हुए हमें वैश्विक नजरिए से अकादमिक विकास करने की जरूरत है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र के सफल नेतृत्व में हम विवि के अकादमिक एवं शैक्षणिक विकास को एक नई उंचाई प्रदान करेंगे। विवि में उनका कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र, कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र सहित सभी अध्यापक एवं अधिकारियों ने स्वागत किया।

प्रो. आनंद वर्धन शर्मा प्र-कुलगुरु नियुक्त

वर्धा 24 एप्रिल 2016: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाचे प्र-कुलगुरु म्हणून प्रो. आनंद वर्धन शर्मा यांनी नुकताच कार्यभार ग्रहण केला. बनारस हिंदू विश्वविद्यालयात यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्राचे निदेशक असलेले प्रो.शर्मा यांना शैक्षणिक व प्रशासकीय कार्याचा 25 हून अधिक वर्षांचा अनुभव आहे. त्यांनी 'निराला के छायावादोत्तर काव्य में प्रगतिशिलता का स्वरूप' या विषयावर पीएच.डी. केली असून ते केंद्रीय तथा राज्य विद्यापीठांच्या अकादमिक सल्लागार समितीचे तसेच अकादमिक परिषदेचे सदस्य राहिलेले आहेत. त्यांची सात पुस्तक प्रकाशित असून 20 हून अधिक शोध निबंध प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकांमध्ये प्रकाशित झाले आहेत. त्यांची सहा पुस्तके प्रकाशनाधिन आहेत. ते बुलगारियातील सोफिया विद्यापीठात तीन वर्ष अतिथी असोसिएट प्रोफेसर होते. त्यांनी मासिकांचे संपादन केले आहे. शैक्षणिक विषयावर त्यांनी दूरदर्शन व इतर फिल्म कंपन्यांकरिता लघुचित्रपटांसाठी संहिता लिहिल्या आहेत. शुक्रवारी पदभार ग्रहण केल्यानंतर त्यांनी अकादमिक आणि प्रशासकीय अधिका-यांशी चर्चा केली. कुलगुरु

प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांच्या यशस्वी नेतृत्वात विश्वविद्यालयाला नवी उंची प्रदान करू असा विश्वास त्यांनी व्यक्त केला.